4GE9ZH

पाठ 5

मेरा एक सवाल

इस कविता में भारत माता अपनी उन्नति के लिए विभिन्न प्रकार के प्रश्न उठाती है। किसान, सैनिक, मजदूर, विद्यार्थी और शिक्षक उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें आश्वस्त करते हैं।

पात्र– 1. भारत माता 2. किसान
3. सैनिक 4. मज़दूर
5. विद्यार्थी 6. शिक्षक

(एक चौपाल है। वहाँ पर कुछ लोग बैठे हैं। तभी गीत की आवाज़ उभरती है।)

चूँ–चूँ–चूँ–चूँ चिड़ियाँ चहकीं
मह–मह–मह–मह कलियाँ महकीं।
पूर्व दिशा ने लाली घोली,
भारत माँ बेटों से बोली।

(गीत की समाप्ति के साथ दरवाजा खुलता है। द्वार से भारत माता का प्रवेश।)

भारत माता – कौन करेगा मेरा आँगन,
हरा–भरा खुशहाल ?
कैसे सुलझाओगे बोलो,
मेरा एक सवाल ?

किसान – मैं खेतों में अन्न उगाकर,
कर दूँगा खुशहाल ।
माँ ! मैं हल से हल कर दूँगा,
तेरा एक सवाल।

भारत माता – कौन करेगा मेरी रक्षा,
बोलो मेरे लाल ?
कौन मुझे मज़बूत करेगा,
मेरा एक सवाल ?

शिक्षण–संकेत : *बच्चों से देश–सेवा पर चर्चा करें। उन्हें देश–सेवा का अर्थ बताएँ। अपने–अपने काम को पूरे तन–मन से करना ही देश–सेवा है। विद्यार्थी का मन लगाकर पढ़ना, शिक्षक का मन लगाकर पढ़ाना, किसान का मन लगाकर खेती करना सबसे बड़ी देश–सेवा है। पूर्ण हाव–भाव, आरोह–अवरोहपूर्वक कविता के एक अंश को पढ़िए और अनुकरण वाचन कराइए। छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर एक–एक पात्र का वाचन उसी हाव–भाव और आरोह–अवरोहपूर्वक करने को प्रोत्साहित करें। उसी अंश का भाव पूछें। बाद में संपूर्ण कविता के एक–एक अंश का अर्थ स्पष्ट करें और बच्चों से उस पर चर्चा करें।*

सैनिक – डटा रहूँगा मैं सीमा पर,
तेरा हूँ मैं लाल।
शत्रुदमन कर हल कर दूँगा,
तेरा एक सवाल।

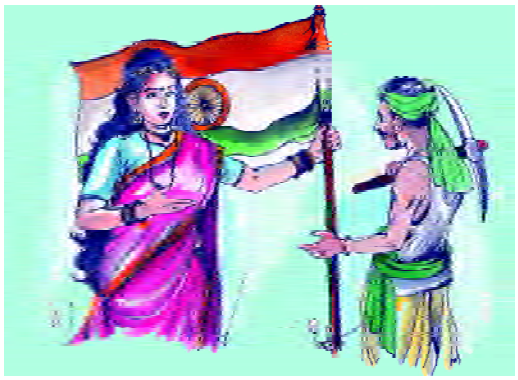

भारत माता – कौन करेगा करके मेहनत,
मुझको मालामाल ?
कौन पसीना बहा सकेगा,
मेरा एक सवाल ?
मजदूर – मैं उत्पादन बढ़ा करूँगा,
तुझको मालामाल।
करके मेहनत हल कर दूँगा,
तेरा एक सवाल।

भारत माता – कौन ज्ञान–विज्ञान सीखकर,
मेटेगा जंजाल ?
कैसे मुझे मिलेगा गौरव,
मेरा एक सवाल ?
विद्यार्थी – मैं पढ़–लिख कर्त्तव्य करूँगा,
मेटूँगा जंजाल।
ज्ञान–दीप से हल कर दूँगा,
तेरा एक सवाल।

भारत माता – कौन करेगा पढ़ा–लिखाकर,
सबको यहाँ निहाल ?
ज्ञान और विज्ञान सिखाकर,
मेरा एक सवाल ?
शिक्षक – ज्ञान और विज्ञान सिखाकर,
सत्य आचरण ढाल।
पढ़ा, लिखाकर हल कर दूँगा,
तेरा एक सवाल।

भारत माता– मिलजुलकर सब काम करोगे,
सब होंगे खुशहाल।
सच बेटो! तुम हल कर दोगे,
मेरे सभी सवाल।

सब मिलकर –हम सब मिलकर काम करेंगे,
तेरे हैं हम लाल ।
सदा करेंगे जग में ऊँचा,
माँ तेरा यह भाल ।
भारत माता की जय,
भारत माता की जय,
(पर्दा गिरता है।)

शब्दार्थ

चौपाल	–	गाँव का वह चबूतरा, जहाँ लोग शाम को बैठते हैं।			
शत्रुदमन	–	शत्रु का नाश	उत्पादन	–	पैदावार
जंजाल	–	परेशानी	आचरण	–	व्यवहार
खुशहाल	–	सुखी, संपन्न	मालामाल	–	धन–धान्य से पूर्ण
ज्ञानदीप	–	ज्ञान का दीपक	गौरव	–	महत्व, बड़प्पन, सम्मान, आदर

प्रश्न और अभ्यास

प्रश्न 1. भारत माता अपने किन–किन पुत्रों से बात करती है ?
प्रश्न 2. मजदूर भारत माता का गौरव किस प्रकार बढ़ाएगा ?
प्रश्न 3. भारत माता देश के नागरिकों से क्या चाहती हैं ?
प्रश्न 4. तुम भारत माता की सेवा किस रूप में करना चाहोगे ?
प्रश्न 5. यदि शिक्षक, किसान, मजदूर, विद्यार्थी अपना–अपना कार्य मन लगाकर करें तो देश का कैसा रूप हो जाएगा ?
प्रश्न 6. कविता में कौन–सा पात्र तुम्हें अच्छा लगा ? उसके बारे में अपने शब्दों में लिखो ?

भाषातत्व और व्याकरण

यहाँ हम सीखेंगे – समानोच्चारित और विलोम शब्द।

- पाठ के अंत में दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करते हुए वाचन करें। पुस्तक को बंद कर दें। एक बच्चा इन शब्दों को बोले, शेष बच्चे लिखें। फिर बच्चे परस्पर कॉपी बदलकर शब्दों की जाँच करें।

प्रश्न 1 दिए गए उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों के समानोच्चारित तीन–तीन शब्द लिखो।

घोली, डटा, माता, सब।

उदाहरण–लाली – काली, बाली, डाली।

प्रश्न 2 'ज्ञान' के पहले 'वि' जोड़कर शब्द बना है– 'विज्ञान'। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में 'वि' जोड़कर नए शब्द बनाओ और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

नम्र, मल, कल, शेष।

प्रश्न 3 निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो।

खुशहाल, पूर्व, मेरा, जय, ऊँचा।

प्रश्न 4 'लाली' शब्द के वर्णों को अगर हम उलटकर रखें तो शब्द बनेगा 'लीला'। यह सार्थक शब्द है। ऐसे दो–दो वर्णो के कोई चार शब्द सोचकर लिखो जिनके वर्णों को उलटकर रखने पर सार्थक शब्द बन जाएँ।

रचना

- नीचे दी गई कविता की पंक्तियाँ पढ़ो। कविता में चार पंक्तियाँ और बनाकर लिखो।

मेरा भारत न्यारा है,
दुनिया भर में प्यारा है।
साथ–साथ हम सब रहते,
हम सबका यह प्यारा है।

गतिविधि

- शिक्षक बच्चों से इस कविता को नाटक के रूप में लिखवाएँ। इसके लिए बच्चों को चार–चार, पाँच–पाँच के समूह में बाँटें। उन्हें कविता का एक–एक भाग दें और नाटक के रूप में लिखने को कहें। तैयार नाटक का कक्षा में मंचन करवाएँ।
- हम बड़े होकर देश की सेवा कैसे करेंगे– इस संबंध में विद्यार्थियों से परस्पर चर्चा कराएँ–
- नीचे लिखी कविता को कक्षा के बच्चे समवेत स्वर में गाएँ। यदि विद्यालय में ड्रम हो तो राग के साथ ड्रम बजाएँ।

वीर तुम बढ़े चलो,धीर तुम बढ़े चलो।
हाथ में ध्वजा रहे, बालदल सजा रहे।
ध्वज कभी झुके नहीं,दल कभी रुके नहीं।
वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो।
सामने पहाड़ हो, सिंह की दहाड़ हो,
तुम निडर डरो नहीं, तुम सबल झुको नहीं।
वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो।

4GN62J